



Mr.



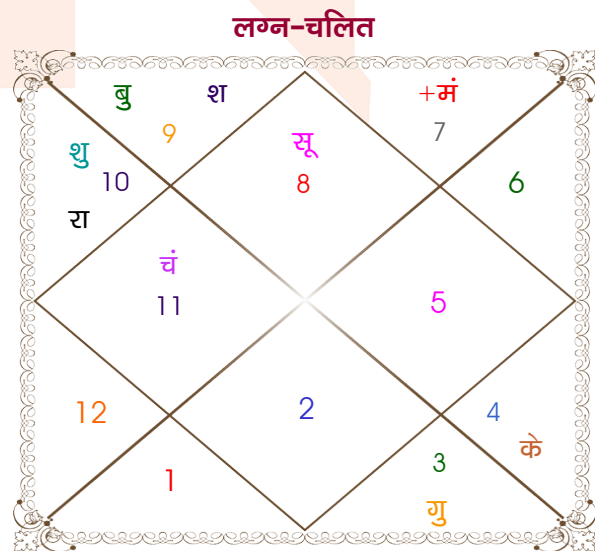
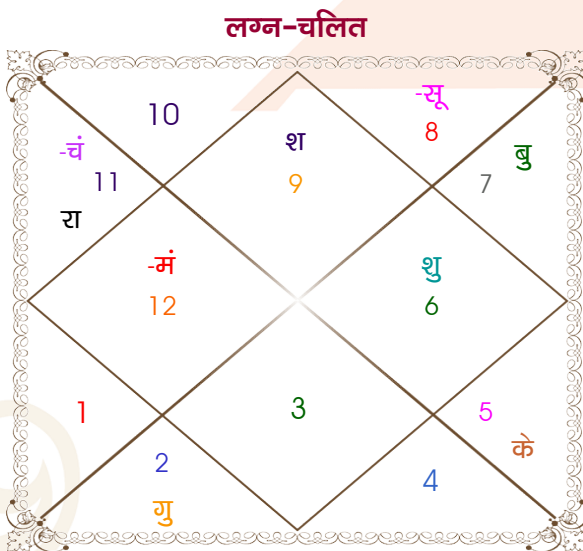
Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120680202

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 17/11/1988 : _____ जन्म तिथि _____ 5-06/12/1989
 गुरुवार : _____ दिन _____ मंगल-बुधवार
 घंटे 10:05:00 : _____ जन्म समय _____ 06:00:00 घंटे
 घटी 07:54:29 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 57:05:01 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Ludhiana : _____ स्थान _____ Nabha
 30:56:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 30:22:00 उत्तर
 75:52:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 76:12:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:26:32 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:25:12 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 06:55:12 : _____ सूर्योदय _____ 07:07:23
 17:28:14 : _____ सूर्यास्त _____ 17:24:11
 23:42:11 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:43:09

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 0वर्ष 9मा 18दि		11:53:47	धनु	लग्न	वृश्चि	04:48:02	राहु 0वर्ष 5मा 18दि	
शनि		01:21:05	वृश्चि	सूर्य	वृश्चि	20:08:42	बुध	
06/09/2023		05:08:23	कुंभ	चंद्र	कुंभ	19:39:13	25/05/2025	
06/09/2042		08:39:11	मीन	मंगल	तुला	27:51:19	26/05/2042	
शनि	09/09/2026	23:11:24	तुला	बुध	धनु	03:53:08	बुध	22/10/2027
बुध	19/05/2029	08:09:03	वृष व	गुरु व	मिथु	14:51:26	केतु	18/10/2028
केतु	28/06/2030	28:27:34	कन्या	शुक्र	मक	03:32:51	शुक्र	19/08/2031
शुक्र	28/08/2033	06:47:05	धनु	शनि	धनु	18:54:14	सूर्य	24/06/2032
सूर्य	10/08/2034	17:16:28	कुंभ	राहु	मक	25:02:23	चन्द्र	24/11/2033
चन्द्र	10/03/2036	17:16:28	सिंह	केतु	कर्क	25:02:23	मंगल	21/11/2034
मंगल	19/04/2037	05:26:28	धनु	हर्ष	धनु	10:29:36	राहु	09/06/2037
राहु	24/02/2040	14:38:50	धनु	नेप	धनु	17:20:49	गुरु	15/09/2039
गुरु	06/09/2042	19:18:36	तुला	प्लूटो	तुला	22:30:41	शनि	26/05/2042



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत्	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	अश्व	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	33.00		

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः ।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

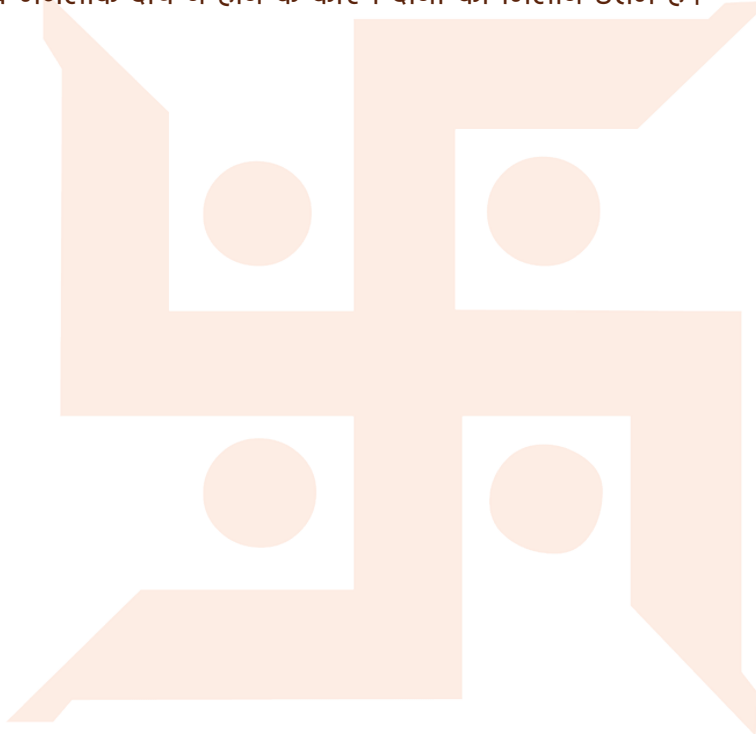
वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

